मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 3 | प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2019 | बहाई वर्ष : 175–176

विश्व न्याय मन्दिर

प्रभुधर्म के पावन लेखों को पढ़ना और बहाउल्लाह के विशाल प्रकटीकरण के महत्व के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करना–ये दायित्व बहाउल्लाह के प्रत्येक अनुयायी को सौंपे गए हैं। सभी के लिए आदेशित है कि वह इस महान प्रकटीकरण के समुद्र से अपनी रूचि और सामर्थ्य के अनुसार ज्ञान के मोतियों की खोज करें।

–रिज़वान संदेश 2010

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• जमशेदपुर स्थित कदमा समुदाय में 18 फरवरी 2019 को अभिभावकों के साथ किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम संबंधित बैठक का आयोजन किया गया, इसमें अभिभावकों एवं युवाओं सहित कुल 27 मित्र शामिल हुए। किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम की अवधारणा एवं उनके कार्यों को साझा करने हेतु लर्निंग साइड से श्री रोहित तिवारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। साथ ही, झारखण्ड के प्रशिक्षण संस्थान सचिव एवं परिषद् सचिव भी उपस्थित हुए। बैठक की शुरुआत प्रार्थनाओं एवं पवित्र लेखों के अंशों के अध्ययन के साथ हुई। परिचय सत्र को आगे बढ़ाते हुए, अभिभावकों ने बताया कि किशोर समूह में भाग लेने से किशोरों में कई बदलाव देखने को मिले हैं जैसे :– आचरण, वार्तालाप, व्यवहार, पढाई, इत्यादि जो प्रशंसनीय हैं। इसी कड़ी में जोड़ते हुए श्री रोहित तिवारी ने साझा किया कि वर्तमान में किशोरों के लिए 10 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो अलग–अलग क्षमताओं पर केंद्रित हैं। भविष्य में हमारे पास किशोरों हेतु 27 पुस्तकें उपलब्ध होंगी। इसलिए यह अति आवश्यक है कि आप किशोरों को इस ओर और अधिक प्रोत्साहित करें। उन्होंने साझा किया कि 12 से 15 वर्ष की अवस्था किशोर अवस्था होती है, जो किसी भी किशोर के जीवन के बहुत ही निर्णायक पल होते हैं और खासकर अभिभावकों के लिये जो उनके प्रति चिंतित होते हैं। इस अवस्था को कच्ची मिट्टी की भांति बताया गया है, जिसे समय रहते मनचाहा आकार दिया जा सकता है, परंतु एक बार आग में पकने के बाद नहीं। इसी कड़ी में प्रार्थना के महत्व पर भी चर्चा हुई। अभिभावकों ने बताया कि उनके घरों पर नियमित रूप से भक्तिपरक सभाओं का आयोजन किया जाता है और इस मोहल्ले में स्थित लगभग सभी घरों पर भक्तिपरक सभायें होती हैं, जिसकी संख्या लगभग 90 है। अभिभावकों द्वारा स्वयं बताया गया कि जब हम प्रार्थना करते हैं तो इससे हमारी आत्मा को भोजन मिलता है, विश्वास बढ़ता है, प्रार्थना ईश्वर तक अपनी इच्छा पहुंचाने का एक माध्यम है, यह एक सीढ़ी की भांति कार्य करती है और सबसे बड़ी बात आपस में एकता और विश्वास बढ़ता है, जिससे हमारा घर, समुदाय, मोहल्ला, आध्यात्मिक रूप से पवित्र होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस प्रकार की बैठकें प्रति माह अवश्य होंगी। इस प्रकार गहन परामर्शीय वातावरण में यह बैठक समाप्त हुई।

शेष पृष्ठ 4 पर



जमशेदपुर के कदमा समुदाय में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस अंक में

बिहार में संस्थागत परामर्शी बैठक सम्पन्न

महाद्वीपीय सलाहकार, श्री दृगपाल सिंह की विशेष उपस्थिति में बहाई भवन, पटना में एक संस्थागत परामर्शी बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य एवं उपक्षेत्र के स्तर पर सेवा देने वाले मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। बैठक की शुरूआत् भक्तिमय वातावरण में प्रार्थनाओं के साथ की गई तत्पश्चात् वर्ष 2018–19 हेतु विनिर्मित वार्षिक योजना एवं उपक्षेत्रीय स्तर पर उसकी अद्यतन स्थिति से राज्य बहाई परिषद एवं प्रशिक्षण संस्थान के सचिव ने अवगत कराया।

बैठक में विश्व न्याय मंदिर के 29 दिसम्बर, 2015 के संदेश से संबद्ध 'बड़ी संख्याओं को अपनाना तथा जटिलताओं का प्रबंधन' विषयक् अनुच्छेद के साथ–साथ अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षण केन्द्र द्वारा प्रसारित 3 मई, 2018 के परिपत्रों का भी अध्ययन किया गया तथा द्वितीय एवं तृतीय मील के पत्थर के प्रमुख चिह्नों को सूचीबद्ध किया गया कि कैसे जब दसियों सैकड़ों की व सैकड़ों हजारों की सेवा में संलग्न हों तब हम क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय मील के पत्थर के मानदंड को प्राप्त करते हैं। बिहार के अधिक–से–अधिक क्लस्टरों में इसकी स्पष्ट झलकियाँ दृष्टिगोचर हों इसके लिए विशेष योजनाएँ बनाई गईं।

बैठक में उपस्थित महाद्वीपीय सलाहकार, श्री दृगपाल सिंह ने कहा कि–दिव्यात्मा बाब की 200वीं जयंती तक हम अपने क्लस्टर को कहाँ देखना चाहते हैं तथा उस समय तक कितने ऐसे क्लस्टर होंगे जो पड़ोसी समुदाय को मदद कर रहे होंगे व कितने ऐसे गाँव होंगे जो स्वयं भी आगे बढ़ रहे होंगे और दूसरे को भी आगे बढ़ने में मदद कर रहे होंगे। इसी कड़ी में श्री सिंह ने प्रत्येक क्लस्टर में औसतन 120 नियमित प्रार्थना सभा, 10 किशोर समूह कक्षा, 20 बच्चों की कक्षा तथा 5 से 10 अध्ययनवृत कक्षा को स्थापित करना अनिवार्य बताया।

बैठक में प्रार्थना सभा की संख्या बढ़ाने तथा उसे नियमित करने में परिवारों के समूह की अवधारणा को लागू करना; प्रत्येक उन्नत क्लस्टर के एक–दो गाँव के प्रत्येक घर को ईश्वर के दिव्य मार्गदर्शन के फैलाव का केन्द्र बनाना; समुदाय में बेहतर नाभिक तैयार करना; सीखों का प्रलेखीकरण; बच्चों की कक्षा का औपचारीकरण तथा इसके लिए बेहतर समन्वय की योजना यथा– साथ–साथ चलने की संस्कृति को मूर्त्त रूप प्रदान करने विषयक् कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, राजगीर, ज़हानाबाद, मुजफ्फरपुर, छपरा एवं समस्तीपुर के विकास की कहानी को भी साझा किया गया।

बैठक में प्रसार एवं सुगठन के अतिरिक्त सामुदायिक विद्यालय, सामाजिक क्रिया, सामाजिक क्रियाविधि की तैयारी एवं सामाजिक संवाद कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर भी परामर्श किया गया तथा प्रभुधर्म की शिक्षा को लेकर कुछ संभ्रांत एवं प्रबुद्ध लोगों के साथ भी सामाजिक संवाद स्थापित करने पर बल दिया गया।

बैठक के दौरान लर्निंग साईट, बिहारशरीफ़ के संदर्भ में मित्रों ने बताया कि बिहारशरीफ़ लर्निंग साईट के संचालनार्थ 4 मित्रों का एक दल/कोर–समूह है जिनके सहयोग से सम्प्रति, उक्त लर्निंग साईट 10 क्लस्टरों के साथ नजदीकी से कार्य कर रही है, जिसमें बिहार राज्य का बिहारशरीफ़, पटना, ख़गड़िया, अलौली, पुनपुन एवं फतुहा 6 क्लस्टर शामिल हैं।

बिहारशरीफ़ में सम्पन्न सेमिनार के उद्देश्यों की भी चर्चा की गई कि कैसे किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम की समझ को बेहतर बनाया जा सके तथा कैसे क्लस्टरों की वास्तविकता के अनुसार सीख को एक नये क्षितिज की ओर ले जाया जाये।

बैठक में सामुदायिक विद्यालय

शेष पृष्ठ 4 पर

मध्यप्रदेश की गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश के बहाई मित्रों द्वारा पुलवामा के शहीदों की आत्मा की शांति, देश में एकता और सम्पूर्ण विश्व के भाईचारे हेतु प्रार्थनाएं की गईं। इसी श्रृंखला में बहाई भवन इन्दौर और भोपाल में भी क्रमशः 16 और 19 फरवरी, 2019 शहीद वीर सैनिकों के लिये श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें विशेष प्रार्थनायें की गईं।

• 20 जनवरी 2019 को सामुदायिक विद्यालय कनकटपुरा के प्रांगण में युवा सम्मिलन का आयोजन किया गया, जिसमें किशोरों द्वारा सामुदायिक विद्यालय के प्रांगण की सफाई की गई एवं युवाओं के बैठने के लिए कुर्सियों को व्यवस्थित रूप से जमाया गया। कार्यक्रम में पूरे क्लस्टर के सात गांव से लगभग 100 युवा मित्रों ने भाग लिया, जिसमें से 70–80 मित्रों ने युवा सम्मिलन की सामग्री का अध्ययन किया और बाकी 15 से 20 युवा मित्रों द्वारा भौतिक व्यवस्था को बनाये रखने में अपना योगदान दिया। किशोरों द्वारा सभी युवा मित्रों को पानी पिलाने से लेकर दोपहर के भोजन के परोसने में किशोरों का उत्साह एवं प्रेम देखने लायक था।

अंत में सभी युवा मित्रों द्वारा अपने अपने गांव व मोहल्लों के स्तर पर योजना बनाने में मदद की गयी और सभी मित्रों ने गांव के हिसाब से समूहों में उनके द्वारा बनाई गई योजना को एक–दूसरे के साथ बड़े समूह में प्रस्तुत किया जिसके अनुसार निम्न गतिविधियों को 27 जनवरी 2019 से शुरू होने की एक ठोस योजना बनाई गयी–सात गांव के युवा मित्रों के साथ, सात नये स्टडी सर्कल चलाये जाने की योजना बनायी गयी और कुछ जगहों पर किशोर कार्यक्रम तथा बच्चों की कक्षाएं प्रारंभ करने पर विचार किया गया। सभी स्टडी सर्कल में ट्यूटर के रूप में सेवा देने वाले मित्रों के नाम भी कार्यक्रम के दौरान सुनिश्चित किये गये।



इंदौर में आयोजित प्रार्थना सभा के प्रतिभागी

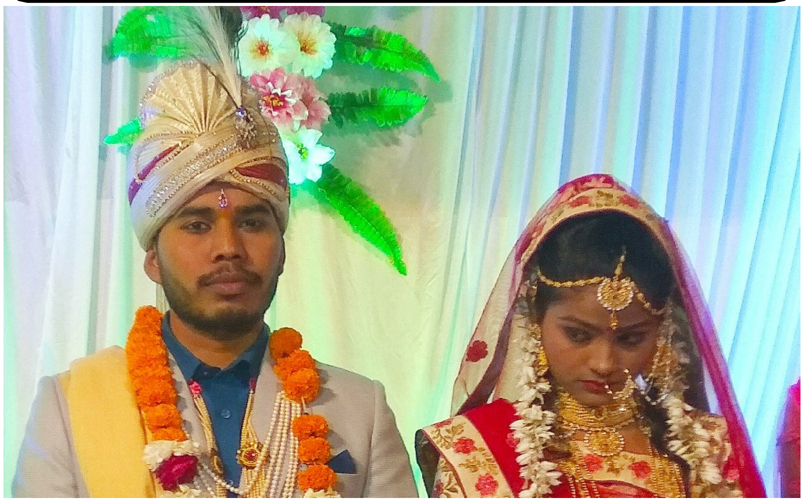


भोपाल में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेने वाले मित्रगण

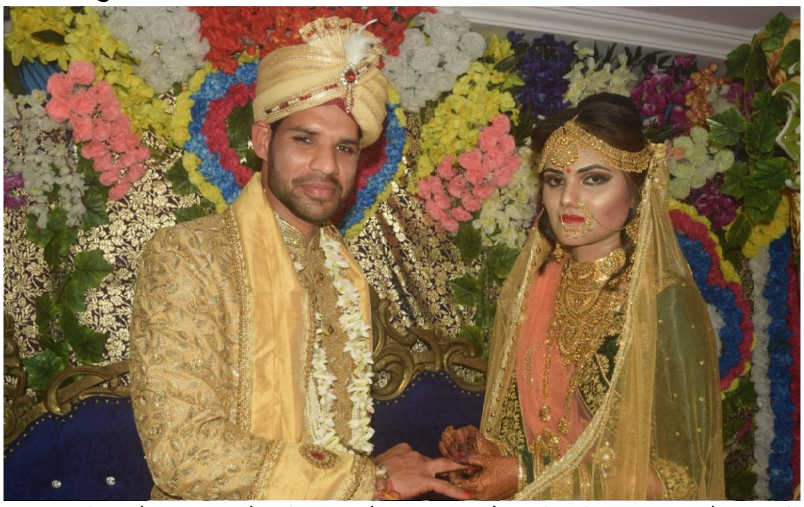


कनकटपुरा में आयोजित युवा सम्मेलन के प्रतिभागी

बहाई विवाह



इंदौर की श्रीमती चंदा पिपरिया के सुपुत्र श्री राकेश पिपरिया का विवाह भोपाल की सुश्री ऋतु मेहड़े के साथ 19 फरवरी, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा भोपाल के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



कमरहाटी, कोलकाता के श्री फाखरे आलम और श्रीमती सुल्ताना बेगम की सुपुत्री सुश्री आफरिन आलम का विवाह चंडीगढ़ के श्री बलराम चौहान और श्रीमती व्यास देवी के सुपुत्र श्री मान सिंह चौहान के साथ 15 दिसम्बर, 2018 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



कमरहाटी, कोलकाता के श्री फिरोज खान और श्रीमती कुलसुम खान के सुपुत्र श्री संजय खान का विवाह बिहार के लेफ्टिनेंट सुरेन्द्र सिंह और श्रीमती सुमन सिंह की सुपुत्री सुश्री नीति सिंह के साथ 23 नवम्बर, 2018 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



लखनऊ की रुचिमा त्रिपाठी एवं गुजरात के श्री भाविन पटेल का विवाह 4 नवंबर 2018 को लखनऊ में बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा लखनऊ के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

स्वागत नववर्ष

विश्व में अनेक कैलेंडर हैं, लेकिन बहाई कैलेंडर ही पहला कैलेंडर है जो किसी अवतार द्वारा मानवजाति को दिया गया हो। बहाई कैलेंडर पूरी तरह सूर्य से प्रभावित है। इसमें पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर परिक्रमा के आधार पर समय का बंटबारा किया गया है। चूंकि बहाई कैलेंडर सूर्य पर आधारित है इसलिए यह पूर्णतया दोषरहित है। 'बयान' के प्रकटकर्ता दिव्यात्मा बाब ने एक वर्ष को 19 दिनों के 19 महीनों में बांटने की अद्भुत अभिलाषा प्रकट की जिससे 361 दिनों का हिसाब हो जाता है। शेष बचे चार, पाँच दिनों को लोंद के दिवस अथवा अय्याम–ए–हा के नाम से जाना जाता है ये दिवस खुशियां मनाने के, दान करने के, उल्लास और प्रार्थना के दिन होते हैं जिनके बाद प्रारंभ होता है वर्ष का अंतिम महीना अला का महीना अर्थात् उपवास के उन्नीस दिन। अय्याम–ए–हा के दिनों को किताब–ए–अकदस के प्रकटकर्ता बहाउल्लाह ने बहाई वर्ष के 18 वें और 19 वें महीने के मध्य डाल दिया, जिससे समय की गणना ठीक हो गई। बाब ने सभी महीनों का नामकरण भी ईश्वर की विभूतियों के ऊपर किया। 21 मार्च को जब रात और दिन बराबर होते हैं तब हम बहाई अपना नववर्ष दिवस मनाते हैं।

'एडवेन्ट आफ डिवाइन जस्टिस' नामक पुस्तक में प्रिय धर्मसंरक्षक ने प्रभुधर्म की प्रगति के सात चरणों की रूपरेखा प्रस्तुत की है और लिखा है : ''अत्याचारों से आतंकित इस धर्म को घने धुंधलके से बाहर प्रकाश में आना है ताकि यह एक स्वतंत्र धर्म के रूप में अन्य स्थापित धर्मों के स्तर को प्राप्त कर सके।'' इस क्रांतिकारी प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए वह आगे कहते हैं : ''बहाउल्लाह संपूर्ण पृथ्वी को एक करने और आध्यात्मिक प्रकाश फैलाने के लिये आये हैं। आध्यात्मिक इतिहास में प्रकटीकरण का प्रकाश सम्पूर्ण पृथ्वी पर फैलाना है। अन्य किसी प्रकटीकरण ने ऐसा पहले कभी नहीं किया था। इस प्रकटीकरण के निर्धारित हजार वर्षों में एकता और आध्यात्मिकता की प्रक्रियायें साथ–साथ चलेंगी। एकता पहले स्थापित होगी। नई विश्व व्यवस्था की प्रक्रिया धीमी लेकिन स्थायी होगी।''

हम बहाई विश्वास करते हैं कि विश्व के सभी राष्ट्रों के बीच राजनीतिक एकता स्थापित हो जायेगी, जिसके कारण लघु शांति आयेगी और जिसके परिणामस्वरूप एकता आयेगी, जो संकेत होगी पूर्ण मानवजाति के लिए स्वर्णयुग के आगमन का, जिसे बहाउल्लाह ने सर्वमहान शांति का नाम दिया है।

बहाई धर्मावलम्बी, ईसा, मूसा, बुद्ध, कृष्ण, अब्राहम, मोहम्मद–सभी पिछले अवतारों में विश्वास करते हैं और यह भी विश्वास करते हैं कि इनका मिशन परिवार, जातियों, शहर, राज्यों और देशों के मध्य एकता स्थापित करना था। पर बहाउल्लाह का मिशन है संपूर्ण पृथ्वी को एक करना और मानवजाति को इसके नागरिक के रूप में स्थापित करना।

उपवास की आध्यात्मिकता से सराबोर बहाई वर्ष के प्रथम माह 'बहा' का प्रथम दिवस नवरूज़ उत्सव की सुरभि बिखेरता हुआ नये वर्ष में प्रवेश का आमंत्रण लिए खड़ा है। इस दिवस की गरिमा और महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बहाउल्लाह ने ''किताब–ए–अकदस'' में लिखा है–''धन्य है वह जो 'बहा' महीने के प्रथम दिवस में प्रवेश करता है–वह दिन जिसे ईश्वर ने इस 'महानाम' के लिए पावन बनाया है और धन्य है वह जो इस दिन में उन कृपाओं की गवाही देता है, जो ईश्वर ने उसे प्रदान की हैं। वस्तुतः, हम उनमें से हैं जो अपने कर्मों के माध्यम से सभी लोगों को आवृत्त करने वाली प्रभु की उदारता के लिए धन्यवाद प्रदर्शित करते हैं। ''इस युग में वास्तव में सभी रचित वस्तुओं पर जीवन की सांस प्रवाहित की गई है। महान सौभाग्य है उसका जो उल्लास और आनंद से इसका स्वागत करता है। हम प्रमाणित करते हैं कि वह यथार्थतः उन लोगों में से है जो दिव्य आनंद से परिपूरित है।''

उपवास के उन्नीस दिनों में पवित्र वचनों को पढ़कर हमने अपना आध्यात्मिक ज्ञान जो बढ़ाया है उसने अवश्य बहाउल्लाह के प्रति हमारे समर्पण और प्रभुधर्म के शिक्षण के प्रति हमारे दायित्व की भावना को गहरा किया होगा और नवरूज़ के शुभ अवसर पर हम अवश्य ही यह प्रण करने को तत्पर होंगे कि अगले बहाई वर्ष में हम पिछले वर्ष से भी अधिक उत्साह और श्रद्धा के साथ बहाउल्लाह के संदेश को लोगों को दें। कितना सुंदर हो यदि नवरूज़ और रिज़वान के बीच के दिन हम अच्छे आचरण का प्रयास करें, अपने प्रयासों से प्रभुधर्म की गरिमा और उसकी सुन्दर व्यवस्था के प्रति जागरूक हो सकें और इतने दृढ़ हो जायें कि अपनी स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं का चुनाव स्वयं कर सकें। सच मानिये, धर्म के प्रति यह निष्ठापूर्ण कार्य हमारे दिव्य मार्गदर्शक विश्व न्याय मंदिर के हृदय को आनंद से भर देगा और हम बहाउल्लाह की कृपा के भागी बनेंगे।

बहाई पंचांग में वर्ष के इस प्रथम माह का नाम 'बहा' है। यानि प्रकाश का महीना; वह प्रकाश जिससे पूरा वर्ष प्रकाशित होगा। इसीलिए इस मास के प्रथम दिवस 'नवरूज़' को बहाइयों को कुछ ऐसे विशेष कार्यों की योजना बनानी चाहिए जिसकी सरगर्मी से पूरा वर्ष प्रकाशित रहे। किसी भी शुभ कार्य का निर्णय या प्रारंभ इस दिवस को स्मरणीय बना दे, यही हमारी चेष्टा होनी चाहिए।

आइये, हम हृदय से स्वागत करें नववर्ष का और यह संकल्प लें कि आने वाले दिनों में हम बहाई प्रशिक्षण संस्थान के सभी पाठ्यक्रम पूरे करेंगे और प्रभुधर्म के शिक्षण और दृढ़ीकरण के लिये पूरी निष्ठा से समर्पित होंगे। निष्ठा इस हद तक कि प्रभुधर्म के लिये अपना सब कुछ समर्पित करने की भावना से मन–प्राण ओत–प्रोत हों। त्याग उस हद तक कि व्यक्तिगत सुख–सुविधा बिसरा बैठें और आचरण इतना पवित्र की पावनता की सार्थकता हम समझ पायें।

यह नवरूज़ का दिन सच में एक धन्य दिवस है, क्योंकि यह समशीतोष्ण मौसम की शुरूआत है और भूमंडल के उत्तरी क्षेत्र में बसंत के आगमन का समय है। इस समय पृथ्वी की सभी वस्तुएँ, चाहे वह पशु–पक्षी हों, मनुष्य अथवा पेड़–पौधे, नवप्राण धारण करते हैं, प्रफुल्लित नजर आते हैं। उन जीवनदायी मन्द शीतल पवन–झकोरों से ये सभी शक्ति प्राप्त करते हैं जो प्रभु–साम्राज्य की देन हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह सर्वथा उपयुक्त दिवस है। इस काल में सूर्य भूमध्य रेखा के पास उदित होता है और दिन तथा रात बारह–बारह घंटे के होते हैं। आज के पहले उत्तरी ध्रुव अंधकार में रहता है। आज के ही दिन, अर्थात् 21 मार्च को सूर्य उत्तरी ध्रुव के क्षितिज पर चमकता है। आज के दिन सूर्य भूमध्य रेखा पर उदित होता है और पूरी पृथ्वी पर समान रूप से प्रकाशित रहता है।

आइये, प्रकाश के इस युग को हम नमन करें, नये वर्ष का स्वागत करने की हम तैयारियाँ करें और नवरूज़ का उल्लास आपस में बांटें।

नवरूज़ की हार्दिक शुभकामनाएँ

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा मित्रगणों को नवरूज़ की शुभकामनायें प्रेषित करते हुए यह आशा करती है कि सभी मित्र प्रभुधर्म की सेवा में दोगुने उत्साह के साथ निमग्न हो जायें और प्रभु के आशीषों से सराबोर हो जायें।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

• विश्व के बहाईयो को संबोधित विश्व न्याय मंदिर के 18 जनवरी 2019 के परिपत्र के अध्ययन हेतु 14 फरवरी 2019 को एकदिवसीय बैठक का आयोजन किया गया, इसका अध्ययन जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में 22 मित्रों की उपस्थिति में गहनता एवं कृतज्ञता के साथ हुआ, जिसमें राज्य बहाई परिषद् के सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के सदस्य, सहायक मण्डल सदस्य, राज्य एवं क्लस्टर स्तरीय संयोजक, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य एवं क्लस्टर विकास समिति के सदस्यों ने भाग लिया। अध्ययन के दौरान इसमें छिपी अन्तर्दृष्टियों से परिचित होने का प्रयास किया गया। विश्व युद्धों के भविष्य में हुए प्रभावों एवं उनके कारकों को जाना, विश्व शांति हेतु किये गये प्रयासों को जाना, जाना की युगावतार बहाउल्लाह द्वारा विश्व के नरेशों को मानवजाति की भलाई हेतु जो पत्र लिखे उसका पालन अधिकांशों द्वारा नहीं किया गया, जिसका परिणाम विश्व युद्ध के रूप में हमारे सामने आया। मित्रों ने जाना की विश्व शांति हेतु किये गए प्रयासों का प्रभाव भी इसलिए अधिक नहीं हुआ क्योंकि वे प्रयास ईश्वरीय मार्गदर्शन के विपरीत थे। अतः वर्तमान में हमारे पास मानवजाति की सेवा एवं एकता स्थापित करने की जो औषधि है वह है – बहाउल्लाह की शिक्षा, जिसके सहारे हमारा समाज आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों रूपों से प्रगति करेगा। यह एक कल्पना नहीं अपितु सत्य है कि देर–सबेर एकता स्थापित होगी, परंतु इसके लिए हमें एक–दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ–साथ सेवा के पथ पर एक दूसरे की सहायता करते हुए आगे बढ़ना होगा।



विश्व न्याय मन्दिर के 18 जनवरी 2019 के अध्ययन के लिए आयोजित बैठक के प्रतिभागण

सेवा का अवसर

दिल्ली के बहाई उपासना मन्दिर में प्रतिदिन हजारों आगंतुकों को प्रभावी ढंग से प्रभुधर्म का शिक्षण देने और प्रसार करने में अनेक स्वयंसेवक अपना सराहनीय योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम को जारी रखने के लिए उपासना मन्दिर में स्वयंसेवकों की आवश्यकता है। जो मित्रगण एक से तीन महीने के लिए स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवायें देना चाहते हैं, वे कृपया bahaitem@gmail.com पर संपर्क करें।

बिहार में संस्थागत परामर्शी बैठक सम्पन्न

पृष्ठ 1 का शेष

कार्यक्रम पर भी परामर्श किया गया तथा शिक्षा को समग्रता के परिपेक्ष्य में देखने यथा–सामुदायिक विद्यालय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि एवं बच्चों की शिक्षा के औपचारीकरण के निमित्त व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं संस्थागत पहल पर बल दिया गया। अस्तु, इसके लिए समुदायों को चिह्नित करना, समुदाय की वास्तविकता को पढ़ना, शिक्षा के क्षेत्र में रूचि रखने वाले उपयुक्त मानव संसाधन को तलाशना, शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, समान दृष्टिकोण स्थापित करना तथा समुदाय एवं संस्था के स्तर पर कार्य, समीक्षा एवं परामर्श की प्रक्रिया स्थापित करना परमावश्यक है।

सोल के कार्यक्रम संयोजक, श्री संदीप कुमार मल्लिक ने बताया कि 6 से 7 नये समुदाय में इस वर्ष सामुदायिक विद्यालय कार्यक्रम स्थापित करने का लक्ष्य है किन्तु, वर्तमान पांच वर्षीय योजना के अंत तक 40–50 गाँव में इसे स्थापित करने की योजना है और इसके लिए राज्य बहाई प्रशिक्षण संस्थान, बिहार के साथ परामर्श किया गया है। उक्त परिपेक्ष्य में महाद्वीपीय सलाहकार, श्री दृगपाल सिंह ने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि इसके लिए 50 से ज्यादा गतिविधि वाले क्लस्टर में से 2–2 ऐसे व्यक्तियों को चिह्नित करना होगा जो संस्थान प्रक्रिया से संबद्ध हो। इसके लिए क्लस्टर स्तरीय समीक्षा बैठक में भी मंच तैयार करने तथा स्थानीय आध्यात्मिक सभा से अर्थपूर्ण वार्तालाप करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

● निधन

श्री पीरूज़ फज़ली



हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि हैदराबाद के श्री पीरूज़ फज़ली का 18 जनवरी, 2019 को मध्य प्रदेश के इंदौर में निधन हो गया। वे 77 वर्ष के थे। श्री फज़ली ईरान से भारत एक पायनियर के रूप में आये थे और प्रभुधर्म के प्रसार हेतु अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवायें प्रदान कीं। प्रभुधर्म के कार्यों में उनके द्वारा प्रदान की गईं सेवाओं को सदैव याद रखा जायेगा। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्री पी. पी. शास्त्री



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि हैदराबाद के श्री पी. पी. शास्त्री का देहांत हो गया है। वे 70 वर्ष के थे। प्रभुधर्म के कार्य हेतु श्री शास्त्री ने अनेक प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवायें प्रदान कीं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.3. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)